11 फरवरी 2018 – विलेपार्ले मुम्बई

सेवा समाचार – महाशिवरात्रि महोत्सव

हमारा भारत देश सारे विश्व मे सबसे भिन्न है क्योंकी यहाँ पर हर प्रकार के त्योहार समय प्रति समय मनाये जाते हैं। त्योहारों का लक्ष्य ही होता है मनुष्य के अंदर उमंग उत्साह को जगाना। हर एक त्योहार के पिछे कोई न कोई आध्यात्मिक रहस्य समाया हुआ है। वर्तमान समय सारे भारत मे हम सब खुशी से शिवरात्री का त्योहार मना रहे हैं। अगर इसके आध्यात्मिक रहस्य को समझा जाये तो सभी त्योहारों मे सर्व श्रेष्ठ महाशिवरात्रि का त्योहार है। इसका मुख्य कारण है कि जिनको हम सभी दुख में सिमरण करते है, मंदीरों में,जंगलों में, गुफाओं में, पहाडों पर पुजा अर्चना के द्वारा पुकारते है वही सर्व शक्तिवान श्रेष्ठ ते श्रेष्ठ परमात्मा शिव का मनुष्य सृष्टि पर अवतरीत होने का याद गार पर्व है महाशिवरात्रि।

इस पावन पर्व को धूमधाम से मनाने के लिए प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय – जुहू विलेपार्ले मुम्बई सेवाकेन्द्र की ओर से दिनांक 11 से 13 फरवरी 2018 तक मुम्बई के जुहू चौपाटी पर महाशिवरात्रि निमित्त विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया हैं।

दिनांक 11 फरवरी को शाम 7 बजे इस भव्य दिव्य महोत्सव को दीप प्रज्वलन द्वारा उद्घाटन हुआ। इस सुअवसर पर जानी मानी फिल्म कलाकार बहन ग्रेसी सिंग जी उपस्थित थी। जो कि पिछले 4 वर्षों से ब्रह्माकुमारी संस्था से जुडी हुई है। ब्रह्माकुमारी विलेपार्ले सेवाकेन्द्र की मुख्य संचालिका योगिनी बहन, प्रसिद्ध गायिका पुनम बहन, भ्राता आर एन मुखिजा (पूर्व वाइस प्रेजिडेंट–एल एण्ड टी कम्पनी), मेक्सीको से पधारे भ्राता ब्रह्माकुमार एरनेस्टो तथा ब्रह्माकुमारी अनसुला बहन उपस्थित थे।

बहन ग्रेसी सिंग ने अपने वक्तव्य में कहा कि राजयोग सिखने के पश्चात् उनके जीवन मे बहुत ही पॉजीटीव चेंज हुआ। उनके आंतरीक गुण और शक्तियों को अनुभव किया। प्रोफेशनल जीवन और व्यक्तिगत जीवन में शांति और संतुलन रखना आया। हरेक मानव को राजयोग सीखने के लिए उन्होनें प्रेरित किया।

ब्रह्माकुमारी योगिनी बहनजी ने अपने वक्तव्य में कहा कि राजयोग से मानव के जीवन को एक नई दिश मिलती है। व्यक्ति अपने जीवन की कमी कमजोरी को पहचानकर उनको परिवर्तन कर सकता हैं। आज सबसे बडी समस्या है तनाव और इसका परिणाम है क्रोध। क्रोध से शारीरीक स्वास्थ्य बिगडता है। परमात्मा शिव के साथ आत्मिक संबंध जोडने की विधि राजयोग है। इसे हमें अवश्य सीखना चाहिए। उन्होनें सभी को राजयोग सेंटर पधारनें का निमंत्रण दिया। अन्य सभी वक्तओं ने भी अपने विचार व्यक्त किये और सबको महाशिवरात्रि की शुभकामनायें दी।

इस महाशिवरात्रि महोत्सव में एक अद्‌भुत कला का नमुना प्रस्तुत किया गया। समुंदर की रेत से 12 ज्योतिर्लिंगों का निर्माण किया गया। एक ही साथ द्वादश ज्योतिर्लिंगों का दर्शन करने का परम सौभाग्य सभी भक्त गणों को प्राप्त हुआ। साथ ही इस महोत्सव में शांति अनुभूति के लिए मेडिटेशन रूम बनाया गया है। जिसमें राजयोग की कॉमेन्ट्री द्वारा सबको शांति की अनुभूति करायी गयी। नैतिक मूल्यों पर आधारीत एक भव्य साप सीढी का खेल का भी सभी ने आनंद लिया। बह्माकुमारी संस्था की युवा भाईयों द्वारा एक लघु नाटिका भी प्रस्तुत की गयी।

इस महोत्सव में मुम्बई और अन्य स्थानों से भी लोग जुहू चौपाटी पर आते है। उन्होनें इस कार्यक्रम भाग लेकर लाभ लिया।

इस महाशिवरात्रि का मुख्य आयोजन तथा संचालन करने में ब्रह्माकुमारी तपस्वीनी बहन की मुख्य भूमिका रही।